

SEPTEMBER MONTH

पाठ - मैं और मेरा देश

व्याकरण - उपर्युक्त प्रत्यय

लेखन - चित्र वर्णन (व्याकरण किताब से जाँच लें)

मैं और मेरा देशमेरे उत्तर मेरे तर्क

1. ग. पूर्णता के भाव पर प्रहार

लेखक पहले स्वयं को संतुष्ट और पूर्ण मानता है लेकिन लाला लखपत राय के अनुसार से उसकी यह 'पूर्णता' टूट जाती है। 'दरार' उसके आत्म संतोष और पूर्णता में आई टूट को दर्शाती है।

2. क. बात को विस्तार देने वाले प्रश्नों का

लेखक कहता है कि ऐसे प्रश्न चर्चा को आगे बढ़ाते हैं और विचारों को विस्तार देने का अवसर देते हैं, उत्तर देने में उसे आनंद मिलता है।

3. ख. लोगों के आत्मसम्मान और गरव की भावना का दमन होता था।

पराधीनता में सबसे बड़ी आत्मसम्मान और स्वतंत्रता की होती है, न कि केवल भौतिक सुविधाओं की। इसलिए 'दीन' शब्द मानसिक और राष्ट्रीय अपमान को दर्शाता है।

4) उनका देश किसी दूसरे देश के अधीन हो।

पाठ में स्पष्ट है कि यदि देश गुलाम है तो व्यक्ति के सारे सुख - साधन भी उसे सच्चा गौरव नहीं दे सकते।

5) देश और नागरिक

लेखक यह स्थापित करता है कि नागरिक और देश अलग नहीं हैं, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हैं और एक-दूसरे के सम्मान को प्रभावित करते हैं।

6) व्यक्ति और देश का अंतर्संबंध

पूरा निबंध इस विचार पर आधारित है कि व्यक्ति और देश एक-दूसरे से जुड़े हैं और हर नागरिक के कार्य देश के सम्मान और छवि को प्रभावित करते हैं।

मेरी समझ में विचार

P. No. 129

1. स्वामी रामतीर्थ उस जापानी युवक के उत्तर और व्यवहार से मुग्ध हो गए क्योंकि उस युवक ने न केवल तुरंत उनकी आवश्यकता समझी, बल्कि अपने देश के सम्मान को भी सर्वोपरि रखा। उसने फल देने के बजाए ध्यान नहीं लिया, बल्कि यह कहा कि यदि आप इसका मूल्य

देना चाहते हैं तो अपने देश में जाकर यह मत कहना कि जापान में अच्छे कल नहीं मिलते। इससे स्पष्ट होता है कि वह अपने देश के गौरव और छवि के प्रति अत्यंत जागरूक था।

2. जापान के भुवक ने कलों के मूल्य उत्तर के रूप में स्वामी जी से यह माँगा—
"आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे कल नहीं मिलते। उस व्यक्ति के प्रति हमारे मन में देश भक्त, निरवार्थ भावना, उदरता और जागरूक नागरिक की छवि उभरती है।"

3. स्वयं को देश से अलग न मानने के उत्तर पीछे लेखक ने यह तर्क दिया है कि नागरिक और देश का अस्तित्व एक-दूसरे से अविभाज्य रूप से जुड़ा है।

तर्क :

- * नागरिक का व्यवहार देश की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है।
- * व्यक्ति उन्नत देश एक दूसरे के दूरक है।
- * एक नागरिक का अच्छा या बुरा कार्य पूरे देश की पहचान बन जाता है।

उदाहरण :

सकारात्मक : जापानी भुवक ने कल देकर अपने देश का सिर ऊँचा किया।

नकारात्मक : पुरस्कृत से चित्र चुराने वाले विद्यार्थी के कारण उसके देश के सभी नागरिकों पर प्रतिबंध लगा गया, इसका असर पूरे देश पर पड़ा।